(b) whether it is also a fact that the small and medium newspaper industries are suffering because of high prices of the newsprint; and

(c) if so, what steps Government intend to take to help the small and medium newspaper industry?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) The matter is under examination.

(b) Yes, Sir. Although, as per Newsprint Import Policy of 1993-94, newspapers having annual entitlement upto 200 MT of standard newsprint are allowed to import cheaper newsprint to meet their entire requirements, most of them can not afford to pay for the minimum quantity requiret to be imported.

(c) Several alternatives are being explored.

भारत की उदारीकृत अखबारी कागज आयात नीति

2703. **श्री वीरेन जे. शाह :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ देश भारत की उदार आयात नियात नीति का लाभ उठाकर भारत को बड़े पैमाने पर अखबारी कागज का **निर्यात** कर रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप अखबारी कागज का उत्पादन करने वाले औद्योगिक एककों के लिए गम्भीर संकट पैदा हो गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान जनवरी 1994 तक अखबारी कागज की कितनी मांग थी और कितनी-कितनी मात्रा का आयात किया गया ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन वर्षों के दौरान देश में अखबारी कागज उत्पादन की प्रतिस्थापित क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं किया जा सका; और

(घ) यदि हां, तो इन वर्षों के दौरान देश में अखबारी कागज के उत्पादन की कितनी-कितनी क्षमता उपलब्ध थी और प्रत्येक वर्ष के दौरान कितनी-कितनी प्रतिशत उत्पादन क्षमता का उपयोग किया गया और क्या सरकार अखबारी कागज के बड़ी मात्रा में आयात किए जाने के परिणामस्वरूप स्वदेशी अखबारी कागज उद्योग द्वारा महसूस किए जा रहे संकट से उसे मुक्त करने के लिए अपनी आयात नीति पर पुनर्विचार करेगी ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के. पी. सिंह देव) : (क) और (ख) 1.4.1992 से अखबारी कागजों के आयात के विसरणीकरण के बाद समाचार पत्रों को भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय (आर. एन. आई.) द्वारा जारी वार्षिक हकदारी प्रमाणपत्र के आधार पर किसी भी देश से सीधे अथवा संचालन अभिकर्ताओं के माध्यम से अखबारी कागज के आयात की अनुमति दी गई है ताकि घरेलू उत्पादन में कमी को पूरा किया जा सके। भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में उपलब्ध सूचना के अनुसार 1991-92 के दौरान 2,21 लाख मीट्रिक टन (मी. टं.), 1992-93 के दौरान 2,20,913 मीट्रिक टन तथा 1993-94 (अक्तूबर 1993 तक) के दौरान 1,49,834 मीट्रिक टन अखबारी कागज का आयात किया गया था ।

(ग) और (घ) भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में उपलब्ध सूचना के अनुसार देश में अखबारी कागज का क्षमता समुपयोजन लगभग इसके उत्पादन के करीब था।

पिछले तीन वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र मिलों का उत्पादन संबंधी विवरण निम्न प्रकार है :-

(मी0 टन में)

मिल का नाम	अधिष्ठापित क्षमता	1991-92	1992-93	1993-94 (15-2-94 तक)
नेपा लि0	88,000	76,000 (86.37)	74,946 (85.17)	57,131 (64.93)
मैसूर पेपर मिल्स	75,000	83,500 (111.34)	78,249 (104.34)	77,403 (103.21)
हिन्दुस्तान न्यूज प्रिंट लिमिटेड	80,000	88,000 (110.00)	97,431 (121.79)	86,314 (107.90)
तमिलनाडु न्यूज प्रिंट तथा पेपर लिमिटेड	50,000	38,500 (77.00)	40,477 (80.96)	31,107 (62.22)

प्रेस इन्फारमेशन ब्यूरो के कार्यालयों में उर्दू पदों का भरा जाना

2704. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री 14 दिसम्बर, 1993 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं. 1513 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या प्रेस इन्फारमेशन ब्यूरो के कार्यालय में ग्यारह उर्दू पदों को भरा जा चुका है ; और

(ख) यदि नहीं, तो उन्हें कब तक भरा जायेगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के **राज्य मंत्री (श्री के. पी. सिंह देव)** : (क) जी, नहीं।

(ख) हालांकि इन पदों को भरने संबंधी कार्यवाही चल रही है तथापि इस संबंध में कोई विशिष्ट समय-सीमा इंगित कर पाना संभव नहीं है जो कि नियुक्ति एजेंसी द्वारा अनुशंसित अभ्यार्थियों के पैनल की प्राप्ति और उसके बाद नियुक्ति-पूर्व औपचारिकताओं को पूरा किए जाने जैसे कारकों पर निर्भर है।

UPSC advertisements in newspapers given through DAVP

2705. **SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL**: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the number of newspapers to which advertisements of the Union Public Service Commission were given through DAVP till 31st December, 1993; and

(b) what are the names of newspapers in this regard, language-wise?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) As on 31-12-93, there were 245 newspaprs on the UPSC media list which were issued UPSC advertisements.

(b) The information is given in the Annexure. (*See* Appendix 170, Annexure No. 59].